Seat No. : _____

MF-134-H

March-2019

B.A., Sem.-V

CE-305 : Sociology

(Rural Sociology)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. (A) ग्रामीण समाजशास्त्र के विषयवस्तु की चर्चा करें । **14**

अथवा

ग्रामीण समाजशास्त्र की उपयोगिता समझाइये ।

(B) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें : **4**

(1) 'भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र का परिचय' पुस्तक के लेखक _____ हैं ।

(a) प्रो. एस.सी. दूबे

(b) श्रीनिवास

(c) डॉ. अक्षयकुमार देसाई

(2) समुदाय विकास योजना _____ में कार्यान्वित हुई ।

(a) 1952 (b) 1956 (c) 1958

(3) भूदान आंदोलन _____ ने शुरू की ।

(a) जी.एस. घूर्ये (b) विनोबा भावे (c) प्रो. एस.सी. दूबे

(4) भारतीय ग्रामीण समाज का प्रमुख व्यवसाय _____है ।

(a) पशुपालन (b) खेती (c) मजदूरी काम

2. (A) ग्रामीण समुदाय का अर्थ देकर, उसके लक्षणों को समझाइये । **14**

अथवा

सामाजिक सर्वेक्षण क्या है ? उसके लक्षणों की चर्चा करें ।

(B) मिलान करें : **4**

A		B	
1.	ग्रामीण समुदाय	a.	68.84
2.	ग्रामीण आबादी	b.	प्राथमिक समूह
3.	सामाजिक सर्वेक्षण	c.	सोहार्द स्थापन
4.	क्षेत्रकार्य	d.	संख्यात्मक पद्धति

3. (A) ग्रामीण लोगों की जीवन निर्वाह की पद्धति का वर्णन करें । **14**

अथवा

भूमि समस्या का अर्थ देकर, उसके कारणों की चर्चा करें ।

(B) निम्न कथन सही है या गलत बताइये : **3**

(1) भारत के ग्राम समाज में जाति, मूल सामाजिक संस्था नहीं है ।

(2) कृषि एक मोसमी व्यवसाय है ।

(3) भूमि सुधार अधिनियम, 1952 में कार्यान्वित हुआ ।

4. (A) ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका का वर्णन करें । **14**

अथवा

ग्रामीण समाज में परिवर्तन के अवरोधक कारकों को समझाइये ।

(B) मिलान करें : **3**

A		B	
1.	सहकारी मंडली	a.	लोकशाही विकेन्द्रीकरण
2.	पंचायती राज	b.	हरियाली क्रांति
3.	ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन	c.	आर्थिक संस्था

Seat No. : _____

MF-134-H

March-2019

B.A., Sem.-V

CE-305 : Sociology
(Sociology of Religion)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. (A) भारत में धर्म के समाजशास्त्र का उद्‌भव और विकास समझाइये । **14**

अथवा

धर्म के समाजशास्त्र का अर्थ देकर, धर्म के समाजशास्त्र का कार्यक्षेत्र समझाइये ।

(B) निम्न कथन सही है या गलत बताइये : **4**

(1) सामाजिक संबंधों में, संस्थाओं में और संघर्षों में धर्म की भूमिका नहीं होती है ।

(2) समाजशास्त्र धर्म का अभ्यास धर्म के रूप में नहीं करता है ।

(3) मैक्स वेबर को प्रथम हिंदू धर्म के समाजशास्त्री के रूप में माना जाता है ।

(4) कर्म का सिद्धांत हिंदू समाज की जाति के साथ जुड़ा हुआ नहीं है ।

2. (A) धर्म का अर्थ देकर, धर्म के लक्षणों को समझाइये । **14**

अथवा

धर्म की परिभाषा देकर, धर्म के लाभ और मर्यादाएँ समझाइए ।

(B) मिलान करें : **4**

A		B	
1.	जहोन्सन	a.	धर्म का क्षेत्र
2.	धार्मिक मान्यताएँ	b.	धर्म के लाभ
3.	आधारिक संरचना	c.	धर्म के लक्षण
4.	परंपरागतता	d.	इहिलोक–परलोक
		e.	पवित्र–अपवित्र

3. (A) ईमाइल दुर्खिम का धर्म का कार्यात्मकवादी अर्थघटन समझाइए । **14**

अथवा

मेक्स वेबर का धर्म का घटनाशास्त्रीय अर्थघटन समझाइए ।

(B) निम्न कथन सही है या गलत बताइये : **3**

(1) दुर्खिम अपवित्र चीजों को उपयोगितावादी चीजों के रूप में दर्शाता है ।

(2) मार्क्स के दृष्टिकोण में धर्म सच्ची वास्तविकता है ।

(3) वेबर ने धर्म का कार्य-कारण खुलासा दिया है ।

4. (A) हिंदू धर्म का अर्थ देकर, हिंदू धर्म की मान्यताएँ और आचरणों को समझाइये । **14**

अथवा

ईसाई धर्म का अर्थ देकर ईसाई धर्म का भारतीय समाज पर हुए प्रभाव का वर्णन करें ।

(B) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें : **3**

(1) हिंदू धर्म का मूल _____ में है । (वेद, गीता, उपनिषद)

(2) बाइबल में ऐकेश्वरवाद का सिद्धांत _____ के ख्याल द्वारा दर्शाया गया है ।

(मूर्ति, त्रिमूर्ति, मूर्तित्रि)

(3) कलमा कुरान का मूल _____ है । (सूत्र, सत्र, मंत्र)